

成語

故事

下

正莜  
編

古典文化  
叢書

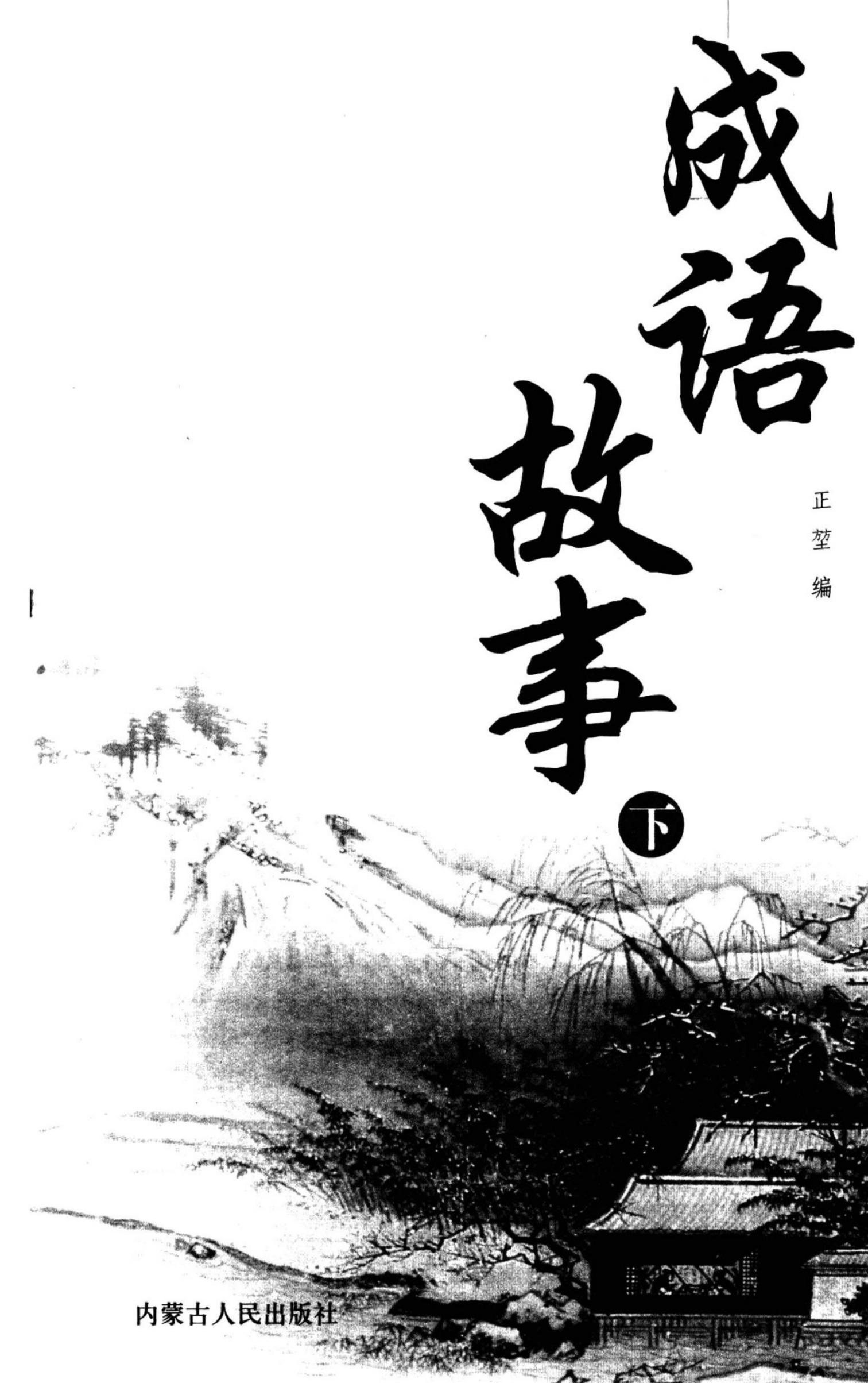
內蒙古人民出版社

# 成语故事

正堃  
编

下

内蒙古人民出版社



## ChengYuGuShi

## 目 录

抛砖引玉 .....	343	杞人忧天 .....	369
蓬生麻中 .....	344	起死回生 .....	370
鹏程万里 .....	345	千变万化 .....	371
披坚执锐 .....	346	前车之鉴 .....	372
披荆斩棘 .....	347	千金市骨 .....	373
匹夫之勇 .....	348	千钧一发 .....	374
疲于奔命 .....	348	千里鹅毛 .....	374
皮之不存,毛将焉附 .....	349	千虑一得 .....	375
萍水相逢 .....	350	千人所指 .....	376
平易近人 .....	351	千万买邻 .....	377
璞玉浑金 .....	352	千载难逢 .....	378
扑朔迷离 .....	354	前功尽弃 .....	379
破釜沉舟 .....	355	黔驴技穷 .....	380
破镜重圆 .....	356	前倨后恭 .....	381
剖腹藏珠 .....	357	前无古人 .....	382
七步之才 .....	358	前事不忘,后事之师 .....	383
漆身吞炭 .....	359	强弩之末 .....	384
欺世盗名 .....	360	巧夺天工 .....	385
七纵七擒 .....	361	巧取豪夺 .....	386
奇货可居 .....	362	功亏一篑 .....	387
骑虎难下 .....	364	锲而不舍 .....	388
旗鼓相当 .....	365	亲痛仇快 .....	389
歧路亡羊 .....	366	秦晋之好 .....	390
骑驴觅驴 .....	367	秦镜高悬 .....	391
其貌不扬 .....	367	青出于蓝 .....	392
齐人攫金 .....	368	倾国倾城 .....	393

## GuDianWenHuaBiDuShuXi

- |                 |     |                 |     |
|-----------------|-----|-----------------|-----|
| 青云直上 .....      | 394 | 孺子可教 .....      | 426 |
| 请君入瓮 .....      | 395 | 人非圣贤，孰能无过 ..... | 427 |
| 庆父不死，鲁难未已 ..... | 396 | 塞翁失马 .....      | 428 |
| 罄竹难书 .....      | 397 | 三寸之舌 .....      | 429 |
| 穷兵黩武 .....      | 398 | 三顾茅庐 .....      | 430 |
| 茕茕孑立 .....      | 399 | 三令五申 .....      | 431 |
| 秋风过耳 .....      | 400 | 三人成虎 .....      | 432 |
| 秋毫无犯 .....      | 401 | 三迁之教 .....      | 433 |
| 求之不得 .....      | 402 | 三生有幸 .....      | 434 |
| 求田问舍 .....      | 402 | 丧家之犬 .....      | 435 |
| 曲尽其妙 .....      | 403 | 丧心病狂 .....      | 436 |
| 曲突徙薪 .....      | 404 | 杀鸡焉用牛刀 .....    | 437 |
| 趋炎附势 .....      | 405 | 杀身成仁 .....      | 437 |
| 取而代之 .....      | 406 | 姗姗来迟 .....      | 438 |
| 曲高和寡 .....      | 407 | 伤风败俗 .....      | 439 |
| 犬牙交错 .....      | 408 | 上下其手 .....      | 440 |
| 群策群力 .....      | 409 | 神工鬼斧 .....      | 441 |
| 人杰地灵 .....      | 410 | 神机妙算 .....      | 442 |
| 人给家足 .....      | 411 | 甚嚣尘上 .....      | 443 |
| 人弃我取 .....      | 412 | 声东击西 .....      | 444 |
| 人人自危 .....      | 413 | 生花妙笔 .....      | 445 |
| 人心如面 .....      | 414 | 生灵涂炭 .....      | 446 |
| 人琴俱亡 .....      | 415 | 声名狼藉 .....      | 447 |
| 人言可畏 .....      | 416 | 升堂入室 .....      | 448 |
| 人自为战 .....      | 417 | 生吞活剥 .....      | 449 |
| 任人唯贤 .....      | 418 | 声色俱厉 .....      | 449 |
| 忍辱负重 .....      | 419 | 生死存亡 .....      | 451 |
| 日不暇给 .....      | 420 | 盛气凌人 .....      | 452 |
| 日暮途穷 .....      | 421 | 师出无名 .....      | 453 |
| 人木三分 .....      | 422 | 尸位素餐 .....      | 454 |
| 如火如荼 .....      | 423 | 失之毫厘，差以千里 ..... | 455 |
| 如释重负 .....      | 424 | 食不甘味 .....      | 456 |
| 如鱼得水 .....      | 425 | 十行俱下 .....      | 457 |

## ChengYuGuShi

识时务者为俊杰 .....	458	贪得无厌 .....	487
食言而肥 .....	459	贪小失大 .....	488
舐犊情深 .....	459	贪天之功 .....	489
噬脐何及 .....	460	谈何容易 .....	490
势如破竹 .....	461	谈言微中 .....	491
世外桃源 .....	462	谈笑自若 .....	492
视死如归 .....	463	弹冠相庆 .....	493
手不释卷 .....	464	探骊得珠 .....	493
守株待兔 .....	465	探囊取物 .....	494
首鼠两端 .....	465	叹为观止 .....	495
输攻墨守 .....	466	螳臂当车 .....	495
熟能生巧 .....	467	螳螂捕蝉 .....	496
数典忘祖 .....	468	天经地义 .....	497
蜀犬吠日 .....	469	天罗地网 .....	498
束之高阁 .....	470	天下无双 .....	499
双管齐下 .....	471	天衣无缝 .....	500
水滴石穿 .....	472	天真烂漫 .....	501
水落石出 .....	472	天之骄子 .....	501
水深火热 .....	473	觑颜人世 .....	503
吮痛舐痔 .....	474	铁石心肠 .....	503
死不旋踵 .....	475	听人穿鼻 .....	504
死而不朽 .....	476	投笔从戎 .....	505
死灰复燃 .....	477	投鞭断流 .....	506
司马昭之心 .....	478	投鼠忌器 .....	507
四分五裂 .....	479	同仇敌忾 .....	508
四海之内皆兄弟 .....	480	同甘共苦 .....	509
四面楚歌 .....	481	同工异曲 .....	510
所向无前 .....	482	同心同德 .....	510
所向无敌 .....	483	痛定思痛 .....	511
太公钓鱼, 愿者上钩 .....	484	痛心疾首 .....	513
泰山压卵 .....	485	痛饮黄龙 .....	514
贪生怕死 .....	485	推心置腹 .....	515
贪多务得 .....	486	退避三舍 .....	516

## GuDianWenHuaBiDuShuXi

- |                   |     |                 |     |
|-------------------|-----|-----------------|-----|
| 图穷匕见 .....        | 517 | 吴市吹箫 .....      | 547 |
| 土崩瓦解 .....        | 518 | 物以类聚 .....      | 548 |
| 外强中干 .....        | 519 | 五色无主 .....      | 549 |
| 完璧归赵 .....        | 520 | 下笔成章 .....      | 550 |
| 玩火自焚 .....        | 521 | 下车泣罪 .....      | 551 |
| 玩物丧志 .....        | 521 | 先发制人 .....      | 552 |
| 万事俱备，只欠东风 .....   | 522 | 先声夺人 .....      | 553 |
| 万死不辞 .....        | 523 | 先忧后乐 .....      | 554 |
| 亡羊补牢 .....        | 524 | 项庄舞剑，意在沛公 ..... | 555 |
| 惘然若失 .....        | 525 | 想当然 .....       | 556 |
| 望尘莫及 .....        | 526 | 小心翼翼 .....      | 556 |
| 望梅止渴 .....        | 527 | 小巫见大巫 .....     | 557 |
| 望门投止 .....        | 528 | 小时了了 .....      | 558 |
| 望洋兴叹 .....        | 529 | 笑里藏刀 .....      | 559 |
| 妄自尊大 .....        | 530 | 心旷神怡 .....      | 560 |
| 危如累卵 .....        | 531 | 欣欣向荣 .....      | 561 |
| 威武不屈 .....        | 532 | 信口雌黄 .....      | 562 |
| 韦编三绝 .....        | 533 | 信誓旦旦 .....      | 563 |
| 惟命是从 .....        | 533 | 惜墨如金 .....      | 564 |
| 围魏救赵 .....        | 534 | 兴高采烈 .....      | 564 |
| 为虎作伥 .....        | 535 | 休戚相关 .....      | 565 |
| 未可厚非 .....        | 536 | 行将就木 .....      | 566 |
| 味如鸡肋 .....        | 536 | 洗耳恭听 .....      | 567 |
| 畏首畏尾 .....        | 537 | 席不暇暖 .....      | 568 |
| 未雨绸缪 .....        | 538 | 胸有成竹 .....      | 569 |
| 闻鸡起舞 .....        | 539 | 削足适履 .....      | 570 |
| 刎颈之交 .....        | 540 | 羞与哏伍 .....      | 571 |
| 卧榻之侧，岂容他人鼾睡 ..... | 541 | 栩栩如生 .....      | 572 |
| 卧薪尝胆 .....        | 542 | 朽木不雕 .....      | 572 |
| 无出其右 .....        | 543 | 虚有其表 .....      | 573 |
| 无可奈何 .....        | 544 | 雪中送炭 .....      | 574 |
| 吴越同舟 .....        | 545 | 言不由衷 .....      | 574 |
| 五日京兆 .....        | 545 | 言过其实 .....      | 575 |

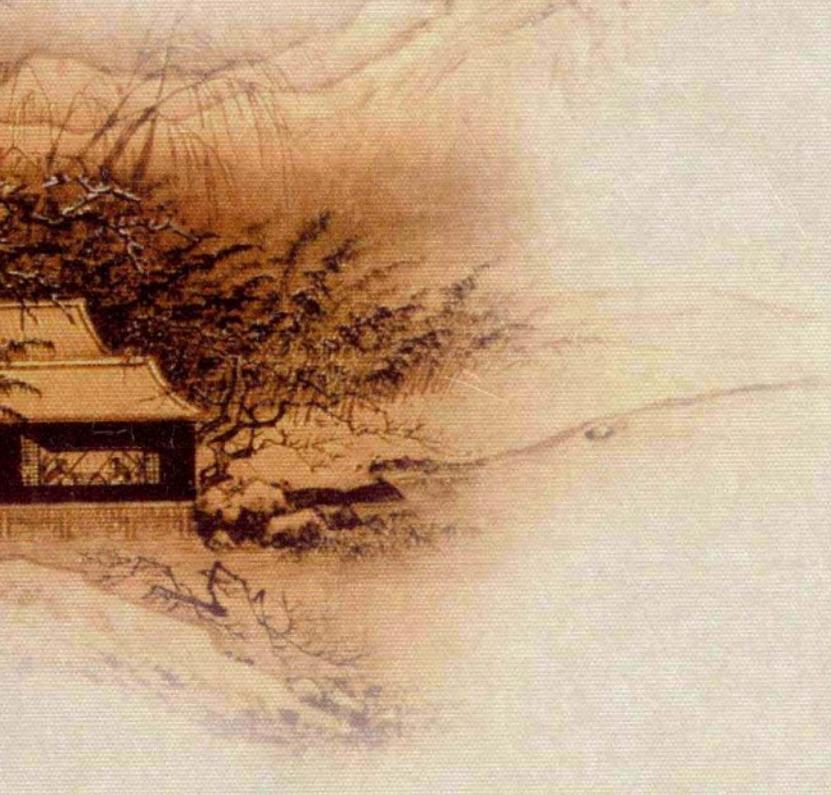
ChengYuGuShi

掩耳盗铃 .....	576	一衣带水 .....	605
扬扬得意 .....	576	一意孤行 .....	606
养虎遗患 .....	577	一字之师 .....	607
野火烧不尽，春风吹又生 .....	578	疑邻盗斧 .....	608
叶公好龙 .....	579	一字千金 .....	608
夜郎自大 .....	580	以古非今 .....	609
夜以继日 .....	581	以管窥天 .....	610
一败涂地 .....	582	以邻为壑 .....	611
一笔勾销 .....	583	以卵投石 .....	612
一代楷模 .....	584	倚马可待 .....	613
一饭千金 .....	584	以貌取人 .....	614
一傅众咻 .....	585	倚门倚闾 .....	615
一鼓作气 .....	586	以强凌弱 .....	615
一国三公 .....	587	以身试法 .....	617
一挥而就 .....	588	以小人之心，度君子之腹 .....	618
一箭双雕 .....	589	以一当十 .....	619
一夔已足 .....	590	异军突起 .....	620
一毛不拔 .....	591	义无反顾 .....	621
一鸣惊人 .....	591	因势利导 .....	621
一诺千金 .....	592	饮醇自醉 .....	622
一暴十寒 .....	593	饮鸩止渴 .....	623
一钱不值 .....	594	英雄无用武之地 .....	624
一窍不通 .....	595	迎刃而解 .....	626
一去不复还 .....	595	庸人自扰 .....	627
一丘之貉 .....	596	忧心如焚 .....	628
一日千里 .....	597	游刃有余 .....	628
一身是胆 .....	598	犹豫不决 .....	629
一丝不苟 .....	599	有备无患 .....	630
一网打尽 .....	600	有脚阳春 .....	631
一问三不知 .....	601	有名无实 .....	631
一误再误 .....	602	有恃无恐 .....	632
依样画葫芦 .....	603	有志竟成 .....	633
一叶障目 .....	604	愚公移山 .....	634

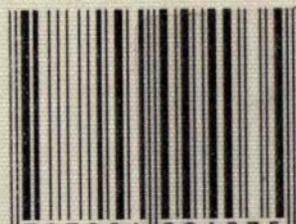
## GuDianWenHuaBiDuShuXi

- |                     |     |                 |     |
|---------------------|-----|-----------------|-----|
| 鱼目混珠 .....          | 635 | 至死不悟 .....      | 660 |
| 余音绕梁 .....          | 636 | 志在四方 .....      | 661 |
| 余勇可贾 .....          | 637 | 置之度外 .....      | 662 |
| 与虎谋皮 .....          | 637 | 中流击楫 .....      | 663 |
| 羽毛未丰 .....          | 638 | 终南捷径 .....      | 664 |
| 鹬蚌相争 .....          | 639 | 忠言逆耳 .....      | 665 |
| 欲盖弥彰 .....          | 640 | 众怒难犯 .....      | 665 |
| 欲加之罪，何患无辞 .....     | 641 | 众叛亲离 .....      | 666 |
| 缘木求鱼 .....          | 642 | 重于泰山，轻于鸿毛 ..... | 667 |
| 约法三章 .....          | 643 | 众志成城 .....      | 668 |
| 越俎代庖 .....          | 644 | 逐鹿中原 .....      | 669 |
| 运筹帷幄 .....          | 645 | 煮豆燃箕 .....      | 669 |
| 运用之妙，存乎一心 .....     | 646 | 铸成大错 .....      | 670 |
| 择善而从 .....          | 646 | 专横跋扈 .....      | 671 |
| 债台高筑 .....          | 647 | 专心致志 .....      | 672 |
| 斩草除根 .....          | 648 | 惴惴不安 .....      | 673 |
| 辗转反侧 .....          | 649 | 捉襟见肘 .....      | 674 |
| 昭然若揭 .....          | 650 | 自惭形秽 .....      | 675 |
| 朝三暮四 .....          | 651 | 自相矛盾 .....      | 676 |
| 招摇过市 .....          | 652 | 纵虎归山 .....      | 677 |
| 枕戈待旦 .....          | 653 | 走马看花 .....      | 678 |
| 振臂一呼 .....          | 653 | 作壁上观 .....      | 679 |
| 郑人买履 .....          | 654 | 作法自毙 .....      | 679 |
| 之乎者也 .....          | 655 | 坐观成败 .....      | 680 |
| 纸上谈兵 .....          | 655 | 坐山观虎斗 .....     | 681 |
| 只许州官放火，不许百姓点灯 ..... | 656 | 作威作福 .....      | 682 |
| 纸醉金迷 .....          | 657 | 罪不容诛 .....      | 683 |
| 志大才疏 .....          | 658 | 醉翁之意不在酒 .....   | 684 |
| 炙手可热 .....          | 659 |                 |     |

# 成语故事



ISBN 978-7-204-09403-5



9 787204 094035 >

ISBN 978-7-204-09403-5/Z · 536

定价：52.00元(上、下)